|  |
| --- |
| **भारत सरकार** |
| **आर्थिक कार्य विभाग** |
| **वित्‍त मंत्रालय** |
| **राज्‍य सभा** |
| **अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 663** |
| (जिसका उत्‍तर 16 अगस्‍त, 2012/25 श्रावण, 1934 (शक) को दिया जाने वाला है) |
|  |
| **विदेशी मुद्रा जमा के संग्रहण के लिए योजना** |

|  |  |
| --- | --- |
| **663.** | **श्री नतुजी हालाजी ठाकोर:** |

|  |  |
| --- | --- |
| क्‍या **वित्‍त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि: | |
|  | क्या यह सच है कि सरकार भारत में डालर के अंत:प्रवाह को बढ़ाने हेतु अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) एवं विदेशी निवेशकों से विदेशी मुद्रा जमा के संग्रहण के लिए नई योजना शुरू करने का विचार रखती है; |
|  | यदि हां, तो तत्संबंधी पूर्ण ब्यौरा क्या है; |
|  | क्या यह भी सच है कि मार्च, 2012 से रुपया 12 प्रतिशत खिसका है जिसने विदेश यात्रा एवं शिक्षा को और अधिक महंगा करने के अलावा कच्चे तेल सहित अधिकांश आयातित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि कर मुद्रास्फीति को बढ़ाया है; और |
|  | यदि हां, तो सरकार द्वारा रुपए के और अधिक अवमूल्यन को रोकने हेतु उठाए गए/उठाए जाने वाले प्रभावी कदम कौन-कौन से हैं? |

**उत्‍तरवित्‍त मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (श्री नमो नारायन मीना)**

|  |  |
| --- | --- |
| (क): | जी, नहीं। |
| (ख): | प्रश्न नहीं उठता। |
| (ग): | भारतीय रिजर्व बैंक की संदर्भ दर के आधार पर रुपये की विनिमय दर अमरीकी डालर की तुलना में 30 मार्च, 2012 में 51.16 के मुकाबले 9 अगस्त, 2012 को 55.17 थी, अर्थात् कथित अवधि के दौरान 7.3 प्रतिशत का अवमूल्यन हुआ। रुपए की गिरावट से आयात और महंगा हो जाता है। जब रुपए का अवमूल्यन होता है तथा उच्चतर लागत उपभोक्ताओं तक पहुंचती है तो वह स्फीतिकारी दबावों में योगदान कर सकती है। |
| (घ): | भारत सरकार तथा भारतीय रिजर्व बैंक ने पूंजी अंतर्वाहों को प्रोत्साहित करने और रुपए को समर्थन देने के लिए विदेशी मुद्रा की आपूर्ति को बढ़ावा देते हुए निर्यात में वृद्धि करने हेतु कई कदम उठाए हैं। हाल ही में किए गए उपायों में निम्नलिखित शामिल हैं:-   * ऋण प्रतिभूतियों (कारपोरेट तथा सरकारी दोनों प्रतिभूतियां) में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा निवेश सीमाओं में वृद्धि, * 3-5 वर्ष की परिपक्वता वाले विदेशी वाणिज्यिक उधारों हेतु समस्त लागत की उच्चतम सीमा को बढ़ाना, * विदेशी मुद्रा अनिवासी जमाराशियों पर ब्याज दर की उच्चतम सीमा तथा अनिवासी भारतीयों की रुपया मूल्यवर्ग में जमाराशियों पर ब्याज दरों का अपविनियमन, * कुछ शर्तों के अंतर्गत अनुमोदन मार्ग के तहत विनिर्माण तथा अवसंरचना क्षेत्र की कम्पनियों को घरेलू बैकिंग प्रणाली तथा/अथवा नए रुपया पूंजीगत व्यय हेतु 10 बिलियन अमरीकी डालर तक की उच्चतम सीमा के विदेशी क्षेत्र से उधार लेने की अनुमति देना।   इसके अतिरिक्त, विदेश व्यापार नीति 2009-14 के वार्षिक अनुपूरक 2012-13 में निर्यात लगभग 360 बिलियन अमरीकी डालर बढ़ाने के लिए 2012-13 में पहलों की घोषणा की गई है। |

\*\*\*\*\*\*\*